# साल्ट पैन भूमि

## ➢ हालिया संदर्भ :

- हाल ही में केन्द्र सरकार ने मुम्बई में 256 एकड साल्ट पैन (Salt Pan) भूमि धारावी पुनर्विकास परियोजना प्राइवेट लिमिटेड (DRPPL) को हस्तांतरित करने की मंजूरी दी।
- यह परियोजना अडानी रियल्टी समूह एवं महाराष्ट्र सरकार का संयुक्त उद्यम है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र के झुग्गीवासियों के लिये आवास उपलब्ध करवाना है।
- इस परियोजना के मंजूरी को विपक्षी पार्टियों एवं पर्यावरणविदों ने पारिस्थितिकी को नुकसान पहुँचाने वाला बताया।

## ➢ साल्ट पैन भूमि :

- यह समतल विशाल क्षेत्र होता है, जो सामान्यतः शुष्क इलाकों में पाया जाता है।
- ये निचले इलाके में मौजूद होता है, जहाँ समुद्री जल जमा हो गया है ताथा वाष्पीकरण के बाद यहाँ नमक एवं अन्य खनिज जमा रह जाता है।
- मुम्बई में साल्ट पैन भूमि का आकार लगभग 5378 एकड है, वहीं गुजरात का रण क्षेत्र भारत में सबसे बडा साल्ट पैन क्षेत्र है।
- भारत में नमक का सर्वाधिक उत्पादन गुजरात में होता है।
- लूनी नदी भारत में 'नमक नदी' के नाम से प्रसिद्ध है।

- 2011 में तटीय विनियमन क्षेत्र (CRZ) अधिसूचना के तहत साल्ट पैन भूमि क्षेत्र पारिस्थितिकी रूप से 'संवेदनशील' CRZ-1B श्रेणी में आते हैं, जहाँ नमक निष्कर्षण एवं प्राकृतिक गैस अन्वेषण के अलावा किसी अन्य आर्थिक गतिविधि की अनुमति नहीं होती है।
- यह क्षेत्र मैंग्रोव वनों एवं बाढ से रक्षा करने के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है।
- अधिसूचित साल्ट पैन भूमि के मामले में आंध्रप्रदेश (20716 एकड) पहले, तमिलनाडु (17095 एकड दूसरे) एवं महाराष्ट्र (12662 एकड) तीसरे स्थान पर है।

## ➢ चिंता :

- मुम्बई के नमक पैन क्षेत्र में निर्माण से पूर्वी उपनगरीय भाग में बाढ आ सकती है।
- चूँकि ये निचले क्षेत्र में स्थित है, इसलिये पूर्वी मुम्बई में होने वाली बारिश एवं ज्वार का पानी ये अपने में समेट लेते हैं और क्षेत्र में बाढ नहीं आता है।
- नमक पैन क्षेत्र जलीय जीवों, विशिष्ट प्रवासी पक्षियों एवं कीडे-मकोडों को आवास एवं भोजन दोनों उपलब्ध कराता है।

## ➢ CRZ अधिनियम :

- यह अधिनियम पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने वर्ष 1991 में अधिसूचित किया था।
- इस अधिनियम के द्वारा संवेदनशील क्षेत्रों में तटीय क्षेत्रों में गतिविधियों को सीमित करने के प्रावधान बनाए गए, साथ ही तटीय क्षेत्रों को 4 भागों में वर्गीकृत किया गया।

### 1. CRZ-1 :

- यह ज्यादा एवं कम (High and Low) ज्वार रेखा के बीच का क्षेत्र होता है, जो पारिस्थितिकी रूप से अत्यंत संवेदनशील होता है।

### 2. CRZ-2 :

- यह क्षेत्र समुद्र तट के किनारे तक विस्तृत होता है।

### 3. CRZ-3 :

- यह क्षेत्र CRZ-1 एवं CRZ-2 के अलावा कुछ क्षेत्रों में विस्तृत होता है तथा यहाँ कृषि गतिविधियों एवं सीमित सार्वजनिक सुविधाओं के विस्तार की अनुमति होती है।

### 4. CRZ-4 :

- यह प्रादेशिक सीमा (समुद्री तट से 12 नॉटिकल मील) तक विस्तृत क्षेत्र होता है, जहाँ मछली पकडने जैसी गतिविधियों की पूर्वानुमति होती है।

Result Mitra

## ➢ विशिष्ट तथ्य :

- मुम्बई में ट्रॉम्बे, भांडुप एवं बडाला नामक कारखाने के लिये प्रसिद्ध है।
- अगरवाडो, कुरका एवं नेरूल जैसे साल्ट पैन में पारंपरिक तरीके से नमक निर्मित किया जाता है।
- विश्व का सबसे बडा नमक पैन क्षेत्र बोलीविया के अल्टीप्लानो में अवस्थित 'सालार के उयूनी' है।
- साल्ट पैन में हजारों वर्ष में नमक की परतें जमा होती रहती है।
- साल्ट पैन समुद्री नमक के साथ-साथ अन्य समुद्री खनिजों के मामले में भी समृद्ध होते हैं।
- CRZ में नदी के मुहाने के दोनों तटों को भी शामिल किया गया है।

TM
Result Mitra